लखनऊ में पौने 200 एकड़ में बनेगा सीड पार्क

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। राजधानी में करीब पौने 200 एकड़ में सीड पार्क विकसित किया जाएगा। यूपी सीडा इन सीड पार्क का सारा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगी। राज्य सरकार ने सीड पार्क को विकसित करने के लिए यूपी सीडा को डेवलप्मेंट एजेन्सी नामित किया है। प्रदेश में प्रस्तावित इस पहले सीड पार्क के लिए फिलहाल 540 करोड़ रुपये की मांग की गई है जबकि प्रदेश के चार अलग-अलग एग्रोक्लाइमेटिक जोन में भी एक-एक सीड पार्क की स्थापना को भी समय की जरूरत बताते हुए इसकी शीघ्र स्थापना करने का भी अनुरोध किया गया है। कृषि विभाग ने दोनों के लिए प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट को भेज दिया है। जलवायु परिवर्तन की वजह से खेती के बदलते प्रकृति को ध्यान में रखकर अब जरूरतों के अनुसार बीजों का उत्पादन प्रदेश में ही कराया जाएगा। जिस एग्रोक्लाइमेटिक जोन में जिस प्रजाति के बीज की जरूरत होगी उसको वहीं पर उत्पादित कराकर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश मे खरीफ़, रबी एवं जायद मिलाकर करीब 60 लाख क्विंटल बीज की जरूरत होती है। वर्तमान में 40 लाख कुंतल के आसपास बीजों का उत्पादन हो रहा है। ऐसे में 20 लाख कुंतल के अन्तर की वजह से प्रदेश को दूसरे राज्यों के बीजों पर निर्भर होना पड़ता है।

उत्पादकता में होगी वृद्धि

सीड पार्क के द्वारा बीजों के उच्च उत्पादकता के साथ ही उसकी गुणवक्ता का भी ध्यान रखा जाएगा। क्लाइमेट चेंज के अनुकूल वातावरण में भी उच्च उत्पादकता वाला बीज पैदा हो तथा घरेलू एवं एक्सपोर्ट दोनों स्थितियों के लिए भी उपयुक्त हो। इस पर ध्यान दिया जाएगा।

माल में खुलेगा पहला सीड पार्क

राज्य सरकार माल ब्लाक के अटारी फार्म के एक बड़े भूभाग में टैक्सटाइल पार्क तैयार करा रही है। अटारी फार्म में ही टैक्सटाइल पार्क से बची करीब 300 एकड़ जमीन में लगभग पौने 200 एकड़ भूमि पर सीड पार्क बनेगा। कृषि विभाग इस भूमि को खेती के लायक विकसित करेगा जबकि शेष इन्फ्रास्ट्रक्चर यूपी सीडा को विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है।